

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमति क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 29]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 20 जनवरी 2023 — पौष 30, शक 1944

वाणिज्यिक कर विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 30 दिसम्बर 2022

आधिसूचना

क्रमांक एफ 10-49/2022/वाक/पांच (92).— छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) की धारा 15-ख की उप-धारा (1) के खंड (दो) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए साज्य सरकार, एतद्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के कॉलम (2) में यथा विनिर्दिष्ट व्यापारियों के वर्ग को, कॉलम (3) में यथा विनिर्दिष्ट वर्ष के लिये, कॉलम (4) में यथा विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के प्रावधानों एवं छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर नियम, 2006 से, उक्त अनुसूची के कॉलम (5) में विनिर्दिष्ट निर्बन्धन तथा शर्तों के अध्यधीन रहते हुए, छूट प्रदान करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

अ. क्र.	व्यापारियों का वर्ग	वर्ष	प्रावधान/नियम जिनसे छूट दी गई	निर्बन्धन तथा शर्ते
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्र 2 सन् 2005) की अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट वस्तुओं का व्यवसाय करने वाले ऐसे पंजीकृत व्यापारी, जिसकी सकल वार्षिक कुल विक्रय राशि रु. 1 करोड़ से कम है।	वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22	धारा 19 की उप-धारा (1) के खंड (ग), धारा 21 की उप-धारा (2) के खंड (एक), (दो) एवं (तीन) और धारा 41 की उप-धारा (2) तथा नियम 20(2)(क) छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर नियम, 2006 के नियम 20 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन विहित प्ररूप-18 का भाग-ग	जब कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट व्यापारी देय कर राशि तथा ब्याज, यदि कोई हो, के भुगतान पश्चात्, छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 19 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के प्रावधानों के अनुसार विहित प्ररूप-18 में ऑनलाईन विवरण इस अनुसूची के कॉलम (3) में यथाविनिर्दिष्ट वित्तीय वर्ष हेतु दिनांक 31.03.2023 तक प्रस्तुत कर देता है।

2.	<p>छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं का व्यवसाय करने वाले पंजीकृत व्यापारी, जिसकी सकल वार्षिक कुल विक्रय राशि रु. 10 करोड़ से कम है।</p>	<p>वित्तीय वर्ष 2019–20, 2020–21 एवं 2021–22</p>	<p>धारा 19 की उप–धारा (1) के खंड (ग), धारा 21 की उप–धारा (2) के खंड (एक), (दो) एवं (तीन) और धारा 41 की उप–धारा (2) तथा नियम 20(2)(क)</p> <p>छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर नियम, 2006 के नियम 20 के उप–नियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन विहित प्ररूप–18 का भाग—ग</p>	<p>जब कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट व्यापारी देय कर राशि तथा ब्याज, यदि कोई हो, के भुगतान के पश्चात् छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 19 की उप–धारा(1) के खंड(ख) के प्रावधानों के अनुसार विहित प्ररूप–18 में ऑनलाइन विवरण इस अनुसूची के कॉलम (3) में यथाविनिर्दिष्ट वित्तीय वर्ष हेतु दिनांक 31.03.2023 तक प्रस्तुत कर देता है तथा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44क्ष के अंतर्गत यथा अपेक्षित ऑडिट रिपोर्ट की प्रति वाणिज्यिक कर अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा।</p>
3.	<p>छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं का व्यवसाय करने वाले पंजीकृत व्यापारी, जिसकी सकल वार्षिक कुल विक्रय राशि रु. 10 करोड़ या इससे अधिक है।</p>	<p>वित्तीय वर्ष 2019–20, 2020–21 एवं 2021–22</p>	<p>धारा 21 की उप–धारा (2) के खंड (एक), (दो) एवं (तीन) तथा नियम 20(2)(क)</p> <p>छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर नियम, 2006 के नियम 20 के उप–नियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन विहित प्ररूप–18 का भाग—ग</p>	<p>जब कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट व्यापारी देय कर राशि तथा ब्याज, यदि कोई हो, के भुगतान के पश्चात् छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 19 की उप–धारा (1) के खंड(ख) के प्रावधानों के अनुसार विहित प्ररूप–18 में ऑनलाइन विवरण इस अनुसूची के कॉलम (3) में यथाविनिर्दिष्ट वित्तीय वर्ष हेतु दिनांक 31.03.2023 तक प्रस्तुत कर देता है तथा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44क्ष के अंतर्गत यथा अपेक्षित ऑडिट रिपोर्ट की प्रति एवं छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर नियम, 2006 के नियम 53 के उप–नियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट प्ररूप–50 में आडिट रिपोर्ट की प्रति वाणिज्यिक कर अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा।</p>

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिम शिखर गुप्ता, विशेष सचिव।

अटल नगर, दिनांक 30 दिसम्बर 2022

क्रमांक एफ 10–49 /2022/वाक/पांच (92).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 10–49 /2022/वाक/पांच(92), दिनांक 30–12–2022 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिम शिखर गुप्ता, विशेष सचिव।

Atal Nagar, the 30th December 2022

NOTIFICATION

No. F 10-49/2022/CT/V (92).— In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 15-B of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 (No. 2 of 2005), the State Government, hereby, exempts the class of dealers as specified in column (2) of the Schedule below, for the year as specified in column (3), from provisions of the said Act and Chhattisgarh Value Added Tax Rules, 2006 as specified in column (4), subject to the restrictions and conditions specified in column (5) of the said Schedule, namely :

SCHEDULE

S. No.	Class of dealers	Year	Section/Rule from which exemption granted	Restrictions and conditions
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Registered dealer, whose annual turnover is less than Rs. 1 crore, who deals in goods as specified in Schedule of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 (No. 2 of 2005)	Financial year 2019-20, 2020-21 and 2021-22	Clauses (c) of sub-section (1) of section 19, clause (i), (ii) and (iii) of sub-section (2) of Section 21 and sub-section (2) of Section 41 and rule 20(2)(a) Part-C of Form-18 prescribed under clause (b) of sub- rule (2) of rule 20 of the Chhattisgarh Value Added Tax Rules, 2006.	When the dealer specified in column (2) after payment of due tax amount with interest, if any, files a statement online in Form-18 prescribed as per the provisions of clause (b) of sub-section (1) of Section 19 of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 for financial year as specified in column (3) of this Schedule up to 31.03.2023.
2.	Registered dealer under the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 whose annual turnover is less than Rs. 10 crore, except dealer, who deals in goods specified in Schedule of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 (No. 2 of 2005).	Financial year 2019-20, 2020-21 and 2021-22	Clauses (c) of sub-section (1) of section 19, clause (i), (ii) and (iii) of sub-section (2) of Section 21 and sub-section (2) of Section 41 and rule 20(2)(a) Part-C of Form-18 prescribed under clause (b) of sub- rule (2) of rule 20 of the Chhattisgarh Value Added Tax Rules, 2006.	When the dealer specified in column (2), after payment of due tax amount with interest, if any, files a statement online in Form-18 prescribed as per the provisions of clause (b) of sub-section (1) of Section 19 of The Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 for financial year as specified in column (3) of this Schedule up to 31.03.2023 and shall furnish a copy of audit report, as required under Section 44AB of the Income Tax Act, 1961 before the Commercial Tax Officer.
3.	Registered dealer under the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 whose annual turnover is Rs. 10 crore or more, who deals in goods specified in Schedule of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 (No. 2 of 2005).	Financial year 2019-20, 2020-21 and 2021-22	Clauses (i), (ii) and (iii) of sub- section (2) of Section 21 and rule 20(2)(a) Part-C of Form-18 prescribed under clause (b) of sub-	When the dealer specified in column (2), after payment of due tax amount with interest, if any, files a statement online in Form-18 prescribed as per the provisions of clause (b) of sub-section (1) of Section 19 of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 for financial year as specified in column (3) of this Schedule up to 31.03.2023 and shall furnish a copy of

		rule (2) of rule 20 of the Chhattisgarh Value Added Tax Rules, 2006.	audit report as required under Section 44AB of the Income Tax Act, 1961 and audit report in Form-50 as specified in sub-rule (1) of rule 53 of Chhattisgarh Value Added Tax Rules, 2006 before the Commercial Tax Officer.
--	--	--	--

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
HIM SHIKHAR GUPTA, Special Secretary.

अटल नगर, दिनांक 30 दिसम्बर 2022

अधिसूचना

क्रमांक एफ 10-49/2022/वाक/पांच(93).— यतः, राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) एवं केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 (क्रमांक 74 सन् 1956) के अंतर्गत कर भुगतान करने हेतु दायी व्यवसायियों की ऐसी सभी कर निर्धारण कार्यवाहियां, जिन्हें छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) की धारा 21 की उप-धारा (7) के प्रावधानों के अंतर्गत कलेण्डर वर्ष 2022 के अंत तक पूर्ण किया जाना है, और जिन्हें कर निर्धारण प्राधिकारियों द्वारा किये जा रहे सभी संभव प्रयासों के उपरांत भी विहित कालावधि के भीतर पूर्ण नहीं किया जा सकता है और कर निर्धारण अधिकारियों को ऐसी कार्यवाहियों को गुणदोष के आधार पर पूर्ण करने के लिये सक्षम बनाने हेतु, यह आवश्यक है कि ऐसी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के लिये विहित समय—सीमा बढ़ायी जाए;

अतएव, छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2005 (क्रमांक 2 सन् 2005) की धारा 21 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, उक्त अधिनियम की अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में, प्रत्येक व्यवसायी के संबंध में उक्त अधिनियमों के अंतर्गत ऐसी प्रत्येक कर निर्धारण कार्यवाही, जो सहायक आयुक्त, वाणिज्यिक कर, वाणिज्यिक कर अधिकारी एवं सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी के समक्ष लंबित हो, और जो 31 दिसम्बर 2022 तक पूर्ण नहीं की जाती है, को पूर्ण करने हेतु अवधि को 30 जून, 2023 तक बढ़ाती है।

2. यह अधिसूचना जारी दिनांक से प्रभावशील होगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिम शिखर गुप्ता, विशेष सचिव.

अटल नगर, दिनांक 30 दिसम्बर 2022

क्रमांक एफ 10-49/2022/वाक/पांच(93).— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 10-49/2022/वाक/पांच(93), दिनांक 30-12-2022 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिम शिखर गुप्ता, विशेष सचिव.

Atal Nagar, the 30th December 2022

NOTIFICATION

No. F 10-49/2022/CT/V(93).— Whereas, the State Government is satisfied that all such assessment proceedings of dealers liable to pay tax under the Chhattisgarh Value Added Tax Act 2005 (No.2 of 2005) and the Central sales Tax Act 1956 (No.74 of 1956) which have to be completed by the end of the Calendar Year 2022 under the provisions of sub-Section (7) of Section 21 of The Chhattisgarh Value Added Tax Act 2005 (No.2 of 2005), can not be completed within the prescribed period despite all possible efforts being made by the assessing authorities. In order to enable the assessing authorities to complete such proceedings on merits, it is essential in the interest of justice that the time limit prescribed for the completion of such proceedings is extended.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 21 of the Chhattisgarh Value Added Tax Act, 2005 (No.2 of 2005) the State Government, hereby, extends up to 30th June 2023, the period of completion of every such assessment proceedings with relation to the goods specified in schedule under the said Act. in respect of every dealer pending before Assistant Commissioner of Commercial Tax, Commercial Tax Officer and Assistant Commercial Tax Officer which is not completed by 31 December 2022.

2. This Notification shall come into force from date of issue.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
HIM SHIKHAR GUPTA, Special Secretary.